वाह रे मैं, वाह मेरा भाग्य, वाह बाबा, वाह ईश्वरीय परिवार

मैं इस संसार की सबसे श्रेष्ठ भाग्यशाली आत्मा हूं....., स्वयं भगवान ने मुझे अपना बनाया है.., मुझे अपने दिलतख्त पर बिठाया है..., दुनिया के सर्व बंधनों से मुक्त कर अपनी गोद में बिठाया..., वाह रे मेरा भाग्य...., मैं भगवान के नयनों का नूर हैं..., मैं भगवान की राइट हैंण्ड हूं..., उसने मुझे ईश्वरीय सेवा अर्थ लायक समझ सेवा का गोल्डन चास्न देकर मेरा जीवन धन्य-धन्य कर दिया..., ओ मेरे प्राणाधार, ओ मेरे साजन..., आपका दिल से लाखों बार शुक्रिया...., आपने मुझे पवित्र जीवन देकर विकारों की दलदल से मुक्त रखा..., बाबा, प्यारे बाबा मैं सदा आपका श्रीमत रूपी हाथ पकड़कर चलती रहूंगी..., ओ मेरे मन के मीत, दिल के दिलवर..., मैं सदा आपकी ही बनकर रहूंगी..., पिताव्रता बनकर एक आपसे ही दिल की सच्ची प्रीत रखूंगी...., मैं ही सच्ची सीता हूं..., मैंने कल्प-कल्प इस माया रावणपर जीत प्राप्त की है..., मैं विजयी रतन हूं..., मैं मायाजीत हूं..., मैं विघ्न विनाशक हूं...., मैं परमपवित्र आत्मा हूं..., मैं मास्टर सर्वशक्तिवान आत्मा हूं..., संसार की कोई भी शक्ति मुझे मेरे मार्ग से विचलित नहीं कर सकती...., कोई भी ताकद मुझे हरा नहीं सकती..., मैं शिवशक्ति हूं...., शिव के साथ सदा कम्बाइंड हूं..., मैं शिवस्नेही हूं। सदा परमात्म प्यार में समाई हुई मैं विशेष परमात्म स्नेही आत्मा हूं....। वाह बाबा वाह, वाह मेरा श्रेष्ठ भाग्य वाह...., वाह भाग्यविधाता वाह...., मैं श्रेष्ठ तकदीरवान आत्मा हूं....., वाह मेरा नसीब।